Sialkot and Jammu. So I woukld urge the Prime Minister, as he has already said that he is seized of the matter, and make this point that there is a slightly different dimension between the Sialkot road and the LoC Road, but we should stay at that and we should try and see whether apart from the passenger traffic, trade could also begin again, that would open up the whole area to the adv ntage of the people there.

SHRI E. AHAMMED: This is a matter for consideration by the Government. Whatever is possible in this matter, we will definitely do. But we must get cooperation from Pakistan also.

Rajasthan Atomatic power station at Rawathbhata

*304. SHRI MAHENDRA MOHAN†
SHRI SATOSH BAGRODIA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Unit-I of Rajasthan Atomic Power Station, Rawatbhata, has stopped generation since October, 2004;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) by when it is likely to recommence generation;

(d) if not, the steps being taken by Government to copensate Rajasthan for loss of generation due to permanent outage of RAPS Unit-I;

(e) whether Government of Rajasthan has requested to enhance its allocation from RAPS Units (existing as well as new units);

(f) if so, the reasons therefor; and

(g) the steps being taken by Government for considering the request of Rajasthan?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN): (a) to (g) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) RAPS-1, first pressurised Heavy Water Reactor (PHWR) set up in the country started operation in the year 1973. The reactor was designed for an economic life of 25 years. The unit has been shut down on 9.10.2004 for detailed assessment of its

† The question was actually asked on the floor of the house by Shri Mahendra Mohan.

health and techno evaluation for its refurbishment. Continuation of operation of RAPS-1 involves assessment of quantum of refurbishment and safety upgrades.

(c) It is premature at this stage of fix any time-frame for the commencement of operation in Rajasthan Atomic Power Station Unit 1 as the detailed evaluation is still underway.

(d) RAPS-2 (200 MWe) RAPS-3&4 (2 x 220 MWe) are in operation at Rawatbhata, Rajasthan. In addition, Rajasthan also has a share of power from Narora Atomic Power Station, Narora (U.P.) being in the same northern electricity region.

(e) Yes, Sir.

(f) The Government of Rajasthan has requested for additional allocation to meet its demand for power.

(g) The allocation of power to all central generating stations is done by Ministry of Power taking into consideration the needs of all the States in northern electricity region, other sources of generation, availability of power, etc. RAPP-5&6 (2 x 220 MWe) are also in advanced stage of construction at Rawatbhata, Rajasthan. These units are expected to be completed on schedule in the year 2007-08. Rajasthan will also have a share of 88 MWe (20% of 440 MWe) from RAPP-5&6.

श्री महेन्द्र मोहन: सभापति महोदय, आज देश में बड़ी विषम स्थिति है कि बिजली की अत्यधिक कमी है और हमारे प्लांट बंद हो जाते हैं। महोदय, हमारे यहां बिजली उत्पादन यूनिट को बंद हुए दो वर्ष हो गए हैं और मंत्री महोदय हमें यह नहीं बतला पा रहे हैं कि यह कब तक चालू होगी? मैं आप के माध्यम से उन से जानना चाहूंगा कि यह यूनिट कब तक चालू होगी? उन्होंने अपने उत्तर में कहा है कि इस की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई जा सकती। महोदय, इस समय देश के अंदर बिजली की गंभीरतम कठिनाई चल रही है जिस के कारण देश का विकास रूक रहा है। ऐसे समय में मंत्री महोदय का उत्तर मुझे समझ नहीं आता है। मैं चाहूंगा कि मंत्री महोदय इस सदन को बतलाएं कि यह यूनिट कब तक चालू होगी? महोदय, इस कारण ही उत्तर प्रदेश बिजली संकट से बहुत परेशान है और त्रस्त है जबकि उत्तर प्रदेश के नरोरा में जो बिजली पैदा की जाती है, वह हमें प्राप्त न होकर राजस्थान को चली जाती है व अन्य क्षेत्रों में चली जाती है और उत्तर प्रदेश की बिजली की मांग को हमारे मंत्री महोदय पूरा नहीं करते हैं जिस

से हमें बड़ी कठिनाइयां आ रही हैं। तो मेरा पहला प्रश्न यही है कि कृपया जानकारी दें कि कब तक यह प्लांट चालू होगा और क्या उत्तर प्रदेश में और बिजली उत्पादन की इकाइयां शीघ्र ही लगाई जा रही हैं? यह मेरा पहला सप्लीमेंटरी है।

SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN: Sir, I would like to inform, through you, to the House that the RAPS-I, reactor which was a 200 MW reactor, the first one in the country, was installed and began commercial operation in 1973. It had an economic life of 25 years, which was over in 1998. But we still operated it till 2004. Now the unit has been shut down to evaluate its safety features, enhancement and refurbishment cost and techno-economic feasibility of re-starting it. That process is on. But it is difficult to tell when it will be started, and if at all it will be restarted, because, as I said, the economic life of the unit is over. It was designed for 25 years of economic life. It has already done much more than that. Secondly, Sir, the allocation of power from all central generating stations is done by the Ministry fo Power. Rajasthan gets 57 MW of power from Narora Power Station.

श्री महेन्द्र मोहन: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने यही उत्तर लिखकर भी दिया था। अभी उन्होंने कहा कि He doesn't know whether it will start at all. तो मैं यह जानना चाहूंगा कि अगर वह स्टार्ट नहीं हो पा रहा है तो क्या उस की जगह कोई दूसरा संयंत्र लगाया जाएगा? महोदय, दो वर्ष तक यह जानकारी न पा पाना कि वह चालू होगा या नहीं होगा, यह बात मुझे समझ नहीं आती है कि हमारी सरकार किस रूप से कार्य कर रही है। इसीलिए Right to Information Act लाया गया है। अत: यह आवश्यक है कि मंत्री महोदय जानकारी दें।

श्री सभापति: चालू होगा या नहीं होगा, यह बता दीजिए।

श्री पृथ्वीराज चव्हाण: यह कहना अभी मुश्किल है। इस समय जैसे मैंने कहा कि इस की useful economic life 1998 में खत्म हो चुकी है। उस के पश्चात् हम 4-5 साल तक उसे चलाते रहे हैं । अब 2004 से हम इस की पूरी जांच कर रहे हैं evaluation हो रहा है कि इसे फिर से चालू करने पर कितना खर्चा आएगा। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अभी राजस्थान में "रैप्स 1 और रैप्स 2" के तहत 320 मेगावट बिजली पैदा हो रही थी, 3 व 4 के माध्यम से 440 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। जिसमें से, यानी टोटल 740 मेगावाट बिजली राजस्थान में पैदा हो रही है। रैप्स 5 और 6, 440 मेगावाट के दो संयंत्र, 2007-2008 में चालू होंगे। उसके अलावा जो आपने नये यूनिट्स के बारे में पूछा है, तो राजस्थान 7 और 8, जो कि सात-सात सौ मेगावाट के दो संयंत्र होंगे, उनकी भी अनुमति केन्द्रीय सरकार ने दी है।

श्री सभापति: श्री ललित किशोर चतुर्वेदी।

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपका भी है क्या? ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: आप देख लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अच्छा, आप राजस्थान से ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: आप आज्ञा दें, तो पूछ लूं।

श्री सभापति: नहीं, नहीं। बैठ जाओ। राजस्थान से आया है ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: सर, आप आज्ञा न दें, तो नहीं पूछूंगा। क्या मैं पूछ लूं, सर?

श्री सभापति: बोलिए, बोलिए।

श्री संतोष बागड़ोदिया: धन्यवाद, सर। Sir, two doctors, Dr. S. Gadekar and his wife, have foiund radiation related diseases, disorders in adjoining areas. If this is true, I would like to know from the hon. Minister as to what is the response of the Department of Atomic Energy to the findings of such studies. Unless appropriate steps are taken, this radiation will continue for ages and this will destroy the environment in those adjoining areas. Then, the question of putting up more atomic energy plants in different areas will create more problems for the people living in those areas.

SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN: This question relates to the Rajasthan Atomic Power Station at Rawatbhata, and I will need a separate notice for the question that hon. Member has asked. But, I would like to assure the House that Indian Nuclear Energy Programme is the safest ...*(Interruptions)*.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, the first question says, "Whether it is a fact that Unit-I of Rajasthan Atomic Power Station, Rawatbhata, has stopped generation...". So, it is Rawatbhata only.

SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN: Yes, I know. But the question is about nuclear radiation,I will need a separate notice for that. But, I will take this opportunity to assure the House that the Indian Nuclear Energy Programme is the safest in the world. There is no danger of any radiation to human beings at all.

श्री सभापति: श्री ललित किशोर चतुर्वेदी।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: माननीय सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, उनको यह जानकारी है कि राजस्थान एक शुष्क प्रदेश है और वहां बिजली की आवश्यकता बहुत अधिक रहती है। रावतभाटा का पहला परमाणु बिजली संयंत्र भी हमारे यहां चालू हुआ। वह तो बंद हो गया। जो तीसरी और चौथी इकाई है, वह जून 2000 और दिसम्बर 2000 में प्रारम्भ हुई। उस समय उसकी कीमत इतनी थी कि देश का कोई और दूसरा भाग इस बिजली को खरीदने के लिए तैयार नहीं था। इस कारण से 1 दिसम्बर, 2000 को यह सहमति बनी कि ज्यादा लागत वाली बिजली पाँच वर्षों के लिए राजस्थान खरीदेगा। अब मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूँ कि एक और राजस्थान में बिजली की कमी है, दूसरी तरफ जब तीसरी इकाई प्रारम्भ हुई थी, उस समय कीमत ज्यादा थी, इसलिए हमने पाँच साल लेने का वायदा किया। अब क्या हो रहा है कि तीसरी और चौथी यूनिट में हमारी परसेंटेज़ कम की जा रही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप क्वैश्चन कर लो।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : यह मेरा आपसे कहना है। उसी प्रकार से आगे जो यूनिट्स बन रहीं हैं, वे भी राजस्थान में बन रही हैं। क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि राजस्थान की आवश्यकता को देख कर, राजस्थान के सीने पर अवस्थित वह रावतभाटा की जो बिजली बन रही है, उसकी हमें अधिक परसेंटेज देने की व्यवस्था करेंगे? वे क्या परसेंटेज़ देंगे, इसमें बताने की कृपा करें?

SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN: Sir, the allocation of power generated in the Central sector is done by the Ministry of Power after a consultation process. Everybody is taken into confidence. And, this is done by Ministry of Power not by the Department of Atomic Energy.

श्री सभापति: डा॰ के॰ कस्तूरी रंगन। ...(**व्यवधान**)...

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: माननीय सभापति महोदय, मैंने बड़ा स्पेसिफिक सवाल किया।

श्री सभापति: स्पेसिफिक क्या है? उन्होंने स्पेसिफिक जवाब दे दिया। मेरे हाथ में यह काम नहीं है।

DR. K. KASTURIRANGAN: Mr. Chairman, Sir, in the context of

failure of RAP-1, may I know the hon. Minister what is the mean time between failures of the operational reactors in the country and how does it compare with the world trends?

SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN: Mr. Chairman, Sir, I would like to correct the perception that this is a failure of the reactor. As I have been repeatedly saying that this reactor, the first one in India, was set up with a Canadian collaboration in 1973. The collaboration was withdrawn in 1974, and after that, we were on our own. We had problems with it. There were two failures which were repaired. There was a relief wall failure which was also rapaired. At times, it had difficulties. We have learnt a great deal from it. But, let me repeat that the original economic useful life of the unit was 25 years. The unit has already been operated for 31 years. So, to say that it has failed is not correct. It has been shut down deliberately. We are evaluating whether it will be economically feasible to run it further; and if it is found that it will be economically feasible, and the cost of power will be low, it will be run. Otherwise, it can be used as a training reactor.

Sir, with regard to the second part of the question about the mean time between failures of the Indian reactors, I would like to inform the House that as far as Indian Pressurised Heavy Water Reactors are concerned , 14 are running today, entirely with our technology, four are under construction. These are the best operating reactors anywhere in the world. They have been given the awards by the Association of the Pressurised Heavy Water Reactor operators in the world and we are very proud of achievements of our scientists. They are the safest and are performing more efficiently than any other reactor in this class, working in the world.

Rail-road linkage projects for minor ports of Gujarat

*305. SHRI KANJIBHAI PATEL:†
SHRI SURYAKANTBHAI ACHARYA:

Will the Minister of SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND

† The question was actually asked on the floor of the house by Shri Kanjibhai Patel.